>

Title: Regarding Provisions of Enemy Property Bill, 2010 which are against the interests of Muslims in the country.

MR. CHAIRMAN: Now, matters of urgent public importance.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): सभापति महोदय, भारत सरकार शत्रु जायदाद बिल लोक सभा में ला रही है। यह एक खतरनाक बिल है, जो मुसलमानों के खिलाफ एक साजिश है। पाकिस्तान से 1965 की लड़ाई के बाद कांग्रेस सरकार एक बिल लाई थी, जिसका नाम एनिमी प्रोपर्टी बिल रखा गया था, इस बिल के अनुसार अगर कोई व्यक्ति पाकिस्तान चला गया है तो उसकी जायदाद का वारिश उसका बेटा, बेटी, पत्नी, पिता तथा अन्य रिश्तेदार न होकर यह जायदाद सरकार की होगी। इसके तहत 2600 से अधिक जायदाद मुसलमानों की सरकार के पास चली गई, जिसमें लगभग 1800 मुस्लिम परिवार अकेले यू.पी. के हैं।

इस बिल के खिलाफ एक मुकदमा चला था, जो उच्चतम न्यायालय में मुसलमानों ने लड़ा, जिसका फैसला 2005 में उच्चतम न्यायालय के दो जजों की बेंच न्यायमूर्ति श्री अशोक भान एवं श्री अलतमास कबीर ने दिनांक 21.10.2005 को दिया था। जिसके मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार हैं:

1. अगर कोई व्यक्ति भारत की नागरिकता रखता है और वह किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं रखता है तो वह एनिमी नहीं हो सकता है। संविधान की धारा 2ए तथा धारा 2बी और 2सी के तहत उसकी शत्रु जायदाद नहीं हो सकती है।

2. कस्टोडियन सिर्फ देखभाल करने का कार्य कर सकता है। वह मालिक नहीं हो सकता है। कस्टोडियन को यह जायदाद उस मालिक को वापस करनी होगी, जो विदेशी नहीं है।

3. माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि कस्टोडियन ने जिन लोगों की जायदाद किराये पर दी है, उनको खाली कराकर वारिश को आठ हफ्ते में वापस करानी होगी।

4. माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश से उत्तर प्रदेश के 1800 मुसलमानों को फायदा हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व एम.एल.ए. एम.ए.एम.खान उर्फ सुलेमान राजा मेहमूदाबाद भी शामिल हैं, लेकिन मुसलमानों के हित को सरकार यह बिल लाकर छीनना चाहती है, जिसकी संविधान इजाजत नहीं देता है।

गृह मंत्री, भारत सरकार श्री पी.िचदम्बरम इस मुकदमे में मुसलमानों एवं एम.ए.एम. खान, राजा मेहमूदाबाद के खिलाफ वकील थे तथा भारतीय जनता पार्टी के दो नेता भी इनके साथ वकील थे। माननीय उच्चतम न्यायालय में मुकदमा हारने के बाद गृह मंत्री पी. चिदम्बरमम अन्य नेताओं के साथ मिलकर लोक सभा में एक बिल ला रहे हैं। इस बिल से पूरे देश के मुसलमानों का नुकसान होगा और इस बिल से मुसलमानों में हीनता की भावना पैदा होगी, जो इस मुल्क की धर्मनिरपेक्षता के लिए सही नहीं है। यह कांग्रेस की मुसलमानों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है। वह मुसलमानों का हक इस बिल के माध्यम से छीनना चाहती है।

इस देश के मुसलामनों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। इस देश में मुसलमान की स्थिति वैसे ही दयनीय है तथा इस तरह के बिल लाकर उनके अंदर हीन भावना पैदा करके कांग्रेस पार्टी मुसलमानों को गलत रास्ते पर जाने का कार्य करवाना चाहती है। ...(व्यवधान) आप क्यों बोल रहे हैं? हम तो कांग्रेस के बारे में कह रहे हैं।

यह विधेयक माननीय उच्चतम न्यायलय के फैसले के खिलाफ लाया जा रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मुसलमानों के हक में फैसला किया है। इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस सरकार मुसलमानों को नुकसान व हीन भावना पैदा करने के लिए उनको अपनी जायदाद से बेदखल करने के लिए यह बिल लाया रही है। इस बिल को तुरन्त रोकने की आवश्यकता है।

इस बिल के कुछ बिंदुओं पर भी प्रकाश डालना आवश्यक है। इस बिल में यह कहा गया है कि मुसलमान को 120 दिन में अपनी नागरिकता बतानी होगी। यह गलत है। बार-बार मुसलामनों से इस तरह की डिमांड क्यों रखी जाती हैं? मुसलमान इस देश में सच्चे हिंदुस्तानी हैं तथा हिंदुस्तान के खिलाफ उठने वाली आवाज के खिलाफ अपनी जान की कुर्बानी भी देन के लिए तैयार हैं। इस तरह की डिमांड मुसलमानों से क्यों की जा रही है?

जिन मुसलमानों को माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश से उनकी जमीन जायदाद मिलेगी, उन्हें उसे खाली कराने का अधिकार प्राप्त नहीं है। मैं प्रश्न पूछना चाहता हूं कि जब कोई भी हिंदुस्तानी अपने किरायेदार को अपनी जायदाद खाली कराने के लिए कह सकता है, तो मुसलमान अपने किरायेदार से अपनी जायदाद खाली क्यों नहीं करा सकता है? इस तरह का भेदभाव केवल मुसलमानों के साथ ही क्यों किया जा रहा है?

इस बिल में कांग्रेस पार्टी तथा अब साबित हो गया कि भारतीय जनता पार्टी दोनों के हाथ मिले हुए हैं तथा आनन-फानन में इस बिल को लोकसभा में पास करवाकर और राज्यसभा में पास कराकर कानून बनाना चाहते हैं जिससे मुसलमान तरक्की तथा अधिकार से वंचित हो जाए। यह भारत के संविधान के अनुकूल नहीं हैं। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : There should be order in the House.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : इस बिल को तुरन्त स्टैंडिंग कमेटी को भेजने की कृपा करें।..(व्यवधान) अब साबित हो गया है कि इस देश की कांगेस पार्टी और बीजेपी एक साथ हैं। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. I have called Shri Jaswant Singh. He is on his legs.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : यह सही है। कांग्रेस के दूसरे सदन के दोनों नेता हैं और राज्य सभा के मेंबर हैं, ये मिलकर कांग्रेस पार्टी, मैं बीजेपी का नाम पहले नहीं लेना चाहता था, लेकिन अब मुझे पता चल गया है कि कांग्रेस पार्टी जो मुझसे कहा गया और बीजेपी दोनों मिलकर मुसलमानों के खिलाफ ...(व्यवधान) कुछ कर रहे हैं ...(व्यवधान) यह मुसलमानों के खिलाफ है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Mulayam Singh Yadav, please take your seat. You have already mentioned your point.

...(*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): महोदय, मैं मुलायम सिंह जी को बता देना चाहता हूं कि इसमें संशोधन दिए गए हैं। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : कुर्बानी देने वालों में अब्दुल हमीद से लेकर कभी मुसलमान पीछे नहीं रहा। आजादी की लड़ाई में कभी मुसलमान पीछे नहीं रहा, लेकिन आज अफसोस है कि कांग्रेस पार्टी, बीजेपी से मिलकर ...(व्यवधान) इस बिल को ला रही है। यह मुसलमानों के खिलाफ है।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : सलमान खुर्शीद जी ने और बहुत से सदस्यों ने इस बात का जिक्र माननीय गृह मंत्री जी और माननीय फाइनेंस मिनिस्टर से किया था। ...(व्यवधान) उसके बाद सरकार ने अपने ...(व्यवधान) संशोधन पेश कर दिए हैं ...(व्यवधान) और इन संशोधनों के बाद इनको किसी बात की चिंता नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हम सब मिलकर उनको दरख्वास्त करेंगे कि बीजेपी भी इसमें सपोर्ट करे। ...(व्यवधान) हम सभी मिलकर यह बात कहें कि संशोधन उसके बाद इसमें आ गए हैं। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): इस बिल की कोई जरूरत नहीं है ...(व्यवधान) यह मुसलमानों के खिलाफ साजिश है। ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : उसके बाद आपको कोई चिंता या आशंका नहीं रहनी चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Mulayam Singh Yadav, please take your seat. You have already mentioned your point.

...(*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : जो संशोधन हैं, कृपा करके आप उनको भी देख लीजिए। ...(व्यवधान) जो बात आपने कही, उसके बाद वह बात नहीं रह जाती है। ...(व्यवधान) उन चीजों का बिलकुल ध्यान रखा गया है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Mulayam Singh Yadav, please take your seat. You have already mentioned your point.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): सभापति महोदय, एक मिनट हमारी बात सुनिए। ...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: What I am saying is that the views expressed by Shri Mulayam Singh Yadav have been taken care of in the amendments which are officially being moved. Notice of those amendments has been given. The amendments have been circulated. I am sure all the hon. Members must have read those amendments. That must clarify all the doubts about it. There is nothing left after that. We must unanimously pass this Bill. ...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति महोदय, जो बात मुलायम सिंह जी ने उठायी है, उसका जवाब देते हुए ...(व्यवधान) संसदीय कार्य मंत्री जी, आप सुनिए। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : सुप्रीम कोर्ट का आदर होना चाहिए। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Shri Bansal, please come to your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, please come to your seat.

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : संसदीय कार्य मंत्री जी, आप अपनी सीट पर आइए।...(व्यवधान) यह राय-मंत्रणा बाहर कीजिए।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Only Shrimati Sushma Swaraj to speak

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except what Shrimati Sushma Swaraj says.

*(Interruptions) â€¦ **

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, मुलायम सिंह यादव जी ने कहा कि अगर बिल मूल रूप में आएगा तो हम उसका विरोध करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा कि हम उसमें संशोधन ला रहे हैं। अगर आप संशोधन लाएंगे तो हम उसका विरोध करेंगे।...(व्यवधान) इसलिए हम आपसे कह रहे हैं कि यह बिल आज लिस्टेड है। आप इस बिल को स्टैंडिंग कमेटी में भेजिए, क्योंकि संशोधन आने के बाद यह नया बिल बन जाएगा।...(व्यवधान) अगर आर्डीनैंस मूल रूप में आएगा तो हम उसका समर्थन करेंगे, संशोधन के साथ आएगा तो हम विरोध करेंगे।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I would request the hon. Minister to come to his seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please take your seats. Your leader is on her legs. Let her speak.

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अगर संसदीय कार्य मंत्री जी को मंत्रणा करनी है तो हाउस ऐडजर्न कीजिए, बाहर बात होगी।...(व्यवधान) यह सीट टू सीट, सीट टू सीट क्या हो रहा है?...(व्यवधान) वे लोगों को एक-एक सीट पर जाकर समझा रहे हैं।...(व्यवधान) सभापति जी, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Madam, you speak.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: She is on her legs. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except what Shrimati Sushma Swaraj says.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Sir, this Bill has been listed for discussion today. ...(*Interruptions*) My request is that let us discuss the Bill first. Let us discuss the provisions of the Bill....(*Interruptions*) It is Zero Hour. However, this matter has been permitted. Let us take it up for discussion at the relevant time today only....(*Interruptions*) It has been listed in the Business. ...(*Interruptions*) It is there in the List of Business. Let us take it up for discussion and then come to a conclusion....(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Right.

श्रीमती सुषमा स्वराज : मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि हमारे नियम यह कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति स्पीकर की तरफ पीठ करके खड़ा नहीं हो सकता। पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर दस-दस मिनट स्पीकर की तरफ पीठ करके खड़े रहे।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL; I would apologize for that.

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अगर उन्हें राय-मंत्रणा करनी है तो वे हाउस ऐडजर्न करवाएं और जिससे राय-मंत्रणा करनी है, करें।...(व्यवधान) सदन के अंदर सीट टू सीट, सीट टू सीट जाकर वे राय-मंत्रणा कर रहे हैं।...(व्यवधान) यह नियमों के विरुद्ध है।...(व्यवधान) दूसरा, मुझे यह कहना है कि मुलायम सिंह यादव जी ने कहा।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Only Shrimati Sushma Swaraj's version will go on record. Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति महोदय, अभी मुलायम सिंह यादव जी ने कहा कि अगर बिल मूल रूप में आयेगा, तो हम विरोध करेंगे। ...(व्यवधान) संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि हम उसमें संशोधन ला रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं संसदीय कार्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि अगर आप संशोधन लायेंगे, तो हम विरोध करेंगे। ...(व्यवधान) इसलिए इस बिल को स्टैंडिंग कमेटी में भेजा जाये, जहां एक-एक धारा पर चर्चा हो। ...(व्यवधान) उसके बाद यह बिल आना चाहिए। ...(व्यवधान) आज यह बिल न लिया जाये। ...(व्यवधान)

At this stage, Shri Lalu Prasad, Shri Shailendra Kumar and some other Hon. Members came and stood on the floor near the

Table

-

-

-